



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

5 आषाढ़ 1945 (श0)
(सं0 पटना 495) पटना, सोमवार, 26 जून 2023

सं० 27/नि0था0-11-01/2022-सा0प्र0-11517
सामान्य प्रशासन विभाग

संकल्प

16 जून 2023

श्री रामेश्वर सिंह, बि0प्र0से0, कोटि क्र0-404/11 तत्का0 भूमि सुधार उप समाहर्ता, प0 चम्पारण (सम्प्रति सेवानिवृत्त) के विरुद्ध राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के पत्रांक 591 दिनांक 29.05.2015 द्वारा अनुशासनिक कार्रवाई करने का अनुरोध किया गया है। श्री सिंह को निगरानी थाना कांड संख्या 28/15 दिनांक 08.04.2015 के प्राथमिकी अभियुक्त बनाया गया है।

श्री सिंह के विरुद्ध श्री सच्चिदानन्द भगत, श्री सुरेन्द्र भगत, श्री हरेन्द्र भगत एवं श्री रविन्द्र भगत को नाजायज लाभ पहुँचाने तथा परिवादी मो0 मंसूर, मुजफ्फरपुर को नाजायज हानि पहुँचाने के इरादे से भू-हदबंदी वाद संख्या 24/05-06 में दिनांक 15.02.2007 को पारित अंतिम आदेश, जिसका नियमानुसार सच्ची प्रतिलिपि जिला अभिलेखागार प्रतिलिपि विभाग द्वारा चिरकूट संख्या 14372 के माध्यम से जारी भी कर दिया गया था, को पुनः आदेश पत्रक बदलकर उसी तिथि में दूसरा आदेश पारित करने का आरोप प्रतिवेदित है। प्रतिवेदित आरोप के आलोक में विभागीय स्तर पर आरोप पत्र गठित अनुशासनिक प्राधिकार के अनुमोदनोपरान्त विभागीय पत्रांक 9457 दिनांक 30.06.2015 द्वारा श्री सिंह से स्पष्टीकरण की मांग की गयी।

श्री सिंह का स्पष्टीकरण दिनांक 21.07.2015 प्राप्त हुआ, जिसमें उनका कहना है कि माननीय विशेष न्यायाधीश (निगरानी) मुजफ्फरपुर के न्यायालय में परिवादी मो0 मंसूर द्वारा दायर नालिशी वाद संख्या 53/08 के आलोक में निगरानी जांच संख्या पी0-10/09 द्वारा आरोप की विस्तृत जांच निगरानी अन्वेषण ब्यूरो द्वारा की गयी तथा दिनांक 16.02.2010 को जांच प्रतिवेदन समर्पित किया गया। जांच से प्रमाणित हुआ कि तत्कालीन पेशकार श्री मदन ठाकुर द्वारा फर्जी अभिलेख का सृजन कर सरकारी अभिलेख में हेरा-फेरी किया गया है। मो0 मंसूर के परिवाद पत्र के आलोक में निगरानी थाना कांड संख्या 28/2015 में उनका नाम भी दर्ज है परन्तु विशेष न्यायालय द्वारा अंतिम प्रतिवेदन की मांग की गयी तथा न्यायालय द्वारा उनके विरुद्ध संज्ञान नहीं लिया गया।

विभाग द्वारा पुलिस अधीक्षक निगरानी अन्वेषण ब्यूरो, बिहार, पटना से निगरानी थाना कांड संख्या 28/15 दिनांक 08.04.2015 के अद्यतन स्थिति की मांग की गयी। पुलिस अधीक्षक निगरानी अन्वेषण ब्यूरो के पत्रांक 116 दिनांक 12.01.2023 द्वारा सूचित किया गया है कि “अनुसंधानकर्ता द्वारा इस कांड में प्राथमिकी अभियुक्त श्री रामेश्वर सिंह के विरुद्ध पर्याप्त साक्ष्य के अभाव में अनुत्प्रेषित दिखाते हुए आरोप पत्र संख्या 71/22 दिनांक 16.11.2022 माननीय विशेष न्यायालय, निगरानी मुजफ्फरपुर में समर्पित किया जा चुका है।

विभागीय पत्रांक 13581 दिनांक 10.10.2018 द्वारा श्री सिंह द्वारा समर्पित स्पष्टीकरण पर जिला पदाधिकारी, मुजफ्फरपुर से मंतव्य की मांग की गयी। उक्त के आलोक में जिला पदाधिकारी, मुजफ्फरपुर के पत्रांक 876 दिनांक 06.05.2023 द्वारा श्री सिंह के स्पष्टीकरण को स्वीकार योग्य बताया गया है।

श्री सिंह के विरुद्ध प्रतिवेदित आरोपों, समर्पित स्पष्टीकरण, निगरानी अन्वेषण ब्यूरो, पटना, के प्रतिवेदन एवं जिला पदाधिकारी, मुजफ्फरपुर के मंतव्य की समीक्षा अनुशासनिक प्राधिकार द्वारा की गयी। समीक्षा के क्रम में यह पाया गया कि तत्कालीन पेशकार श्री मदन ठाकुर द्वारा फर्जी अभिलेख का सृजन कर सरकारी अभिलेख में हेरा-फेरी की गयी है। साथ ही निगरानी विभाग द्वारा निगरानी थाना कांड संख्या 28/15 दिनांक 08.04.2015 के अभियुक्त श्री सिंह के विरुद्ध पर्याप्त साक्ष्य के अभाव में अनुत्प्रेषित दिखाते हुए आरोप पत्र संख्या 71/22 दिनांक 16.11.2022 माननीय विशेष न्यायालय, निगरानी, मुजफ्फरपुर में समर्पित किया गया है। इसके अतिरिक्त जिला पदाधिकारी द्वारा भी श्री सिंह के स्पष्टीकरण को स्वीकार योग्य बताया गया है। समीक्षोपरान्त अनुशासनिक प्राधिकार द्वारा श्री रामेश्वर सिंह, बि०प्र०से०, कोटि क्र०-404/11 तत्का० भूमि सुधार उप समाहर्ता, प० चम्पारण (सम्प्रति सेवानिवृत्त) के विरुद्ध प्रस्तुत आरोप प्रकरण को संचिकास्त करने का विनिश्चय किया गया है।

अतएव श्री रामेश्वर सिंह, बि०प्र०से०, कोटि क्र०-404/11 तत्का० भूमि सुधार उप समाहर्ता, प० चम्पारण (सम्प्रति सेवानिवृत्त) के विरुद्ध प्रस्तुत आरोप प्रकरण को संचिकास्त किया जाता है।

आदेश:-आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रति बिहार राजपत्र के अगले असाधारण अंक में प्रकाशित किया जाय तथा इसकी प्रति संबंधित को भेज दी जाय।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
रविन्द्रनाथ चौधरी,
उप-सचिव।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।
बिहार गजट (असाधारण) 495-571+10-डी०टी०पी०
Website: <http://egazette.bih.nic.in>